प्रदेश में तैयार हो रहे 436 ऑक्सीजन प्लांट

लखनऊ। प्रदेश में आक्सीजन प्लांट की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। कोरोना महामारी से पहले 25 ऑक्सीजन प्लांट थे। इसे बढ़ाकर 436 कर दिया गया है। इनमें से 100 प्लांट मई के अंत तक तैयार कर लिए गए हैं। अन्य प्लांट का निर्माण चल रहा है। नतीजतन तीसरी लहर आने पर मेडिकल कॉलेजों में मरीजों के लिए ऑक्सीजन की समस्या नहीं रहेगी। अभी सभी मेडिकल कॉलेजों में पांच दिन का ऑक्सीजन बैकअप रखा जा रहा है।

गौरतलब है कि कोरोना की पहली लहर में ऑक्सीजन प्लांट की संख्या को बढ़ाकर 40 कर दिया गया था। हर निर्माण इकाई से प्रतिदिन करीब 840 जंबो सिलेंडर तैयार किए जाते हैं। दूसरी लहर आने के बाद विभिन्न औद्योगिक इकाइयों से ऑक्सीजन मंगाना पड़ा था। ऐसे में मुख्यमंत्री ने सभी मेडिकल कॉलेजों व अन्य अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने के निर्देश थे। इसके तहत पहले जहां सिर्फ 25 आक्सीजन प्लांट थे, उसे बढ़ाकर अब 436 कर दिया गया है। इसमें 100 प्लांट मई माह के अंत तक तैयार कर लिए गए हैं।

125 प्लांट तैयार, मेडिकल कॉलेजों में पांच दिन का बैकअप

राज्य सरकार की ओर से मेडिकल कॉलेजों के अलावा जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण कराया जा रहा है। ऐसे में भविष्य में कोरोना जैसी महामारी की स्थिति में सभी अस्पताल ऑक्सीजन के लिए आत्मनिर्भर होंगे। बड़ी संख्या में ऑक्सीजन प्लांट की चेन होने पर जरूरत के मुताबिक एक अस्पताल की ऑक्सीजन को दूसरे अस्पताल तक पहुंचाया जा सकेगा। इससे औद्योगिक इकाइयों से आक्सीजन लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
-डॉ. डीएस नेगी, स्वास्थ्य महानिदेशक

सरकार की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जा रहा है। स्थापना कार्य की रीयल टाइम निगरानी की योजना बनाई गई है। इसके लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है। वर्तमान में प्रतिदिन करीब 125 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है। जबकि प्रदेश में उपलब्धता एक हजार मीट्रिक टन से अधिक है। ब्यूरो